Daily Current Affairs 20/07/2021

1. स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2021 रिपोर्ट (विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति 2021)

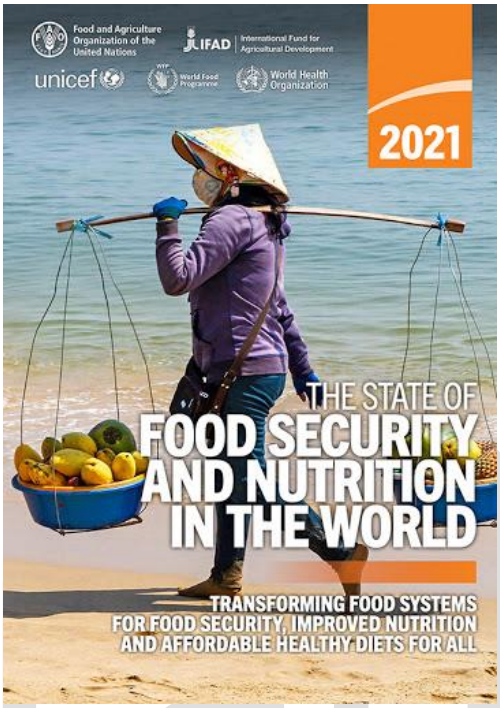

चर्चा में क्यों?

• **स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2021** की रिपोर्ट 2020 के लिए खाद्य असुरक्षा और कुपोषण का पहला वैश्विक मूल्यांकन प्रस्तुत करती है और इस बात का कुछ संकेत देती है कि 2030 तक भूख की स्थिति कैसी हो सकती है, एक ऐसे परिदृश्य में जो COVID-19 महामारी के स्थायी प्रभावों से और अधिक जटिल है।

• रिपोर्ट FAO (खाद्य और कृषि संगठन), IFAD (कृषि विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय कोष), UNICEF, WFP (विश्व खाद्य कार्यक्रम) और WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई एक वार्षिक प्रमुख रिपोर्ट है।

प्रमुख बिंदु

- यह सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के संदर्भ में भूख को समाप्त करने, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने और पोषण में सुधार लाने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रमुख चुनौतियों पर गहन विश्लेषण प्रदान करने की दिशा में प्रगति की सूचना देती है।

रिपोर्ट के निष्कर्ष:

- जनसंख्या के संदर्भ में, यह अनुमान लगाया गया है कि 2020 में दुनिया में 720 और 811 मिलियन लोगों के बीच भूख का सामना करना पड़ा। अनुमानित सीमा (768 मिलियन) के मध्य को ध्यान में रखते हुए, 2019 की तुलना में 2020 में 118 मिलियन अधिक लोग भूख का सामना कर रहे थे, अनुमान के साथ 70 से 161 मिलियन तक।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- 2020 में कुपोषित लोगों की कुल संख्या (768 मिलियन) में से आधे से अधिक (418 मिलियन) एशिया में और एक तिहाई (282 मिलियन) से अधिक अफ्रीका में रहते हैं, जबकि लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 8 प्रतिशत (60 मिलियन) हैं।
- 2014 से 2019 तक लगभग अपरिवर्तित रहने के बाद, 2019 और 2020 के बीच अल्पपोषण (PoU) की व्यापकता 8.4 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 9.9 प्रतिशत हो गई, जिससे 2030 में शून्य भूख लक्ष्य को प्राप्त करने की चुनौती बढ़ गई।
- वैश्विक स्तर पर मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा (खाद्य असुरक्षा अनुभव पैमाने के आधार पर) धीरे-धीरे बढ़ रही है, 2014 में 22.6 प्रतिशत से 2019 में 26.6 प्रतिशत हो गई है। फिर 2020 में, जिस वर्ष COVID-19 महामारी फैल गई, वह पूरे विश्व में फैल गई। ग्लोब, यह पिछले पांच वर्षों में संयुक्त रूप से लगभग बढ़कर 30.4 प्रतिशत हो गया।
- इस प्रकार, दुनिया में लगभग तीन में से एक व्यक्ति के पास 2020 में पर्याप्त भोजन नहीं था - केवल एक वर्ष में 320 मिलियन लोगों की वृद्धि, 2.05 से 2.37 बिलियन तक।

भारतीय परिदृश्य

कुपोषण की स्थिति:

- 2018-20 के दौरान भारत में कुल आबादी के बीच कुपोषण का प्रसार 15.3% था।
- देश में वयस्क आबादी में मोटापे की व्यापकता 2012 में 3% से बढ़कर 2016 में 3.9% हो गई है।
- प्रजनन आयु की महिलाओं में एनीमिया का प्रसार 2012 में 53.2% से 2019 में 53% तक मामूली सुधार हुआ है।

संबंधित पहल:

- एक राष्ट्र एक राशन कार्ड
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना
- आत्मानिर्भर भारत रोजगार योजना
- सघन मिशन इंद्रधनुष 3.0 योजना
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

www.fao.org

2. क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने के लिए 8 नए रूटों का शुभारंभ

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र और गुजरात तक हवाई संपर्क को मजबूत करने वाले 8 नए रूटों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख बिंदु

- स्पाइसजेट एयरलाइंस इन 8 नए मार्गों पर परिचालन शुरू करेगी- ग्वालियर-मुंबई-ग्वालियर, ग्वालियर-पुणे-ग्वालियर, जबलपुर-सूरत-जबलपुर, और अहमदाबाद-ग्वालियर-अहमदाबाद रूट।
- ग्वालियर मध्य प्रदेश के पहले हवाई अड्डों में से एक है जो उड़ान (UDAN) रूट से जुड़ा है।
- इन मार्गों की शुरुआत से उड़ान योजना के तहत सब उड़ें, सब जुड़ें का लक्ष्य प्राप्त होगा। जिससे देश में स्थापित हवाई नेटवर्क को मजबूती मिलेगी।

उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के बारे में:

- **RCS-UDAN** भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय मार्गों पर सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और लाभदायक हवाई यात्रा प्रदान करना है।
- यह **RCS (क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना)** आम आदमी को किफायती मूल्य पर उड़ान भरने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।
- **उड़ान** योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की **राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (NCAP)** का एक प्रमुख घटक है जिसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय (भारत) द्वारा 15 जून 2016 को जारी किया गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **नोट:** इस महीने की शुरुआत में, उड़ान योजना के तहत, इंडिगो एयरलाइंस ने कोलकाता (पश्चिम बंगाल) और इंफाल (मणिपुर) को डिब्रूगढ़ (असम) से जोड़ने के लिए एक और उड़ान शुरू की।
- उड़ान योजना के तहत अब तक 359 मार्ग और 5 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित 59 हवाई अड्डों का संचालन किया जा चुका है।

स्रोत: PIB

3. AI- संचालित शिकायत प्रबंधन एप्लिकेशन

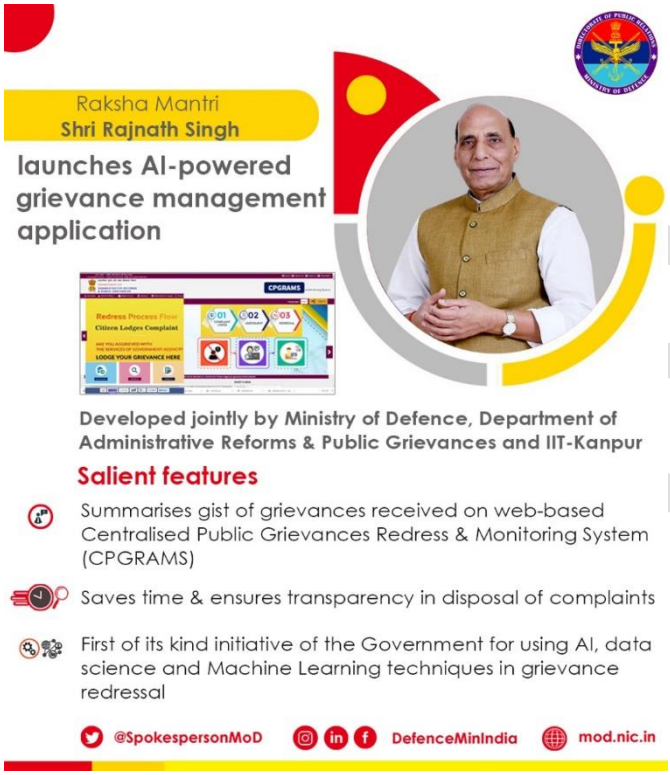

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने एक **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)- संचालित शिकायत प्रबंधन एप्लिकेशन** का शुभारंभ किया।
- वेब-आधारित एप्लिकेशन को संयुक्त रूप से **रक्षा मंत्रालय, DARPG (प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग) और IIT कानपुर** द्वारा विकसित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह परियोजना शिकायत निवारण में AI, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करने के लिए सरकार की अपनी तरह की पहली पहल है।
- यह AI-पावर्ड एप्लिकेशन लोगों की शिकायतों को स्वचालित रूप से संभालेगा और उनका विश्लेषण करेगा और मानवीय हस्तक्षेप को कम करेगा, समय बचाएगा और उनके निपटान में अधिक पारदर्शिता लाएगा।
- यह एक श्रेणी में शिकायतों के भौगोलिक विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है जिसमें यह विश्लेषण भी शामिल है कि शिकायत का संबंधित कार्यालय द्वारा ठीक प्रकार से निपटारा किया गया या नहीं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

नोट:

- हाल ही में, भारत के मुख्य न्यायाधीश ने **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पोर्टल, सुप्रीम कोर्ट पोर्टल फॉर असिस्टेंट इन कोर्टस एफिशिएंसी** (SUPACE) लॉन्च किया। SUPACE, न्यायाधीशों के लिए अनुसंधान को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उनका कार्यभार आसान हो गया है।
- AI (**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस**) का अर्थ है मशीनों में मानव बुद्धि का अनुकरण जो मनुष्यों की तरह सोचने और उनके कार्यों की नकल करने के लिए प्रोग्राम किए जाते हैं।

स्रोत: PIB

4. हरियाणा में भारत का पहला 'अनाज ATM'

चर्चा में क्यों?

- हरियाणा सरकार ने हाल ही अपनी पहली **ATM मशीन 'अन्नपूर्ति' खाद्यान्न** वितरण के लिए में गुरुग्राम के फर्रुखनगर में स्थापित की है, जो तीन प्रकार के अनाज - गेहूं, चावल और बाजरा प्रदान करेगी।
- यह मशीन **संयुक्त राष्ट्र** के **"विश्व खाद्य कार्यक्रम"** के तहत स्थापित है और इसे ऑटोमेटेड, मल्टी कमोडिटी, अनाज वितरण मशीन कहा जाता है।

प्रमुख बिंदु

- इस ATM का उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित राशन की दुकानों पर अनाज के वितरण को आसान और परेशानी मुक्त बनाना है।
- प्रत्येक मशीन एक बार में पांच से सात मिनट के अन्दर 70 किलो तक अनाज निकाल सकती है।
- यह एक स्वचालित मशीन है; इसलिए अनाज की माप में त्रुटि की गुंजाइश नगण्य है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- मशीन में टच-स्क्रीन के साथ बायोमेट्रिक सिस्टम है, जहां लाभार्थियों को अपना अनाज प्राप्त करने के लिए अपना आधार या राशन कार्ड नंबर दर्ज करना होगा।

स्रोत: TOI

5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज' स्थापित करने का निर्णय लिया है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय होगा जो भारत की समृद्ध मूर्त विरासत में संरक्षण और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रमुख बिंदु

'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज' के बारे में:

- संस्थान को डीम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
- **नोट:** वर्तमान में, **भारत में 38 विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं**। भारत में दुनिया की छठी सबसे बड़ी साइट्स है। भारत के इन 38 UNESCO धरोहर स्थलों में से इस सूची में **30 सांस्कृतिक स्थल, 7 प्राकृतिक स्थल और 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं**।
- वर्तमान में, कुल 167 देशों में **1,121 विश्व विरासत स्थल** (**869 सांस्कृतिक, 213 प्राकृतिक, और 39 मिश्रित**) मौजूद हैं। 55 चयनित क्षेत्रों के साथ, चीन और इटली सूची में सबसे अधिक साइट्स वाले देश हैं।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

6. पुलित्जर पुरस्कार विजेता भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी का निधन

- पुलित्जर पुरस्कार विजेता भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी अफगानिस्तान में तालिबान के हमले में अफगान सशस्त्र बलों और तालिबान के बीच संघर्ष को कवर करते समय मारे गए थे।
- वह मुंबई स्थित एक भारतीय फोटो-पत्रकार थे, जो राष्ट्रीय रॉयटर्स मल्टीमीडिया टीम के प्रमुख थे।
- रोहिंग्या शरणार्थी संकट का दस्तावेजीकरण करने के लिए उन्हें 2018 में रॉयटर्स टीम के हिस्से के रूप में पुलित्जर पुरस्कार मिला।

स्रोत: द हिंदू

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now